Best Seller

FOR
2023 EXAM

OSWAAL BOOKS®

LEARNING MADE SIMPLE

UPDATED SYLLABUS
For Annual Scheme of Assessment-Academic Session 2022-23
April 21, 2022

CBSE SYLLABUS

CLASS 10

हिंदी 'अ'

(क्षितिज भाग-2, कृतिका)

Strictly as per the Latest CBSE Syllabus released on 21st April 2022 (CBSE CIR No. Acad-48/2022)

ACADEMICS' CHOICE SMART BOOK AWARD WINNER

MOST TRUSTED BRANDS OF INDIA 2021

THE ECONOMIC TIMES ICONIC BRANDS OF INDIA Made In India

Prepare, Revise & Practice Online on www.Oswaal360.com or OSWAAL 360 on

To know about more useful books *click here*

पाठ्यक्रम

हिंदी–'अ' (2022-23)

कक्षा दसवीं (कोड संख्या 002)

प्रश्न-पत्र **दो** खंडों : खंड – 'अ' और खंड – 'ब' में विभक्त होगा।
खंड – 'अ' में 49 वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होंगे।
खंड – 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।
भारांक– {80(वार्षिक बोर्ड परीक्षा)+20 (आंतरिक परीक्षा)

निर्धारित समय: 3 घंटे **भारांक: 80**

परीक्षा भार-विभाजन					
खंड – अ (बहुविकल्पी प्रश्न)					
	विषय-वस्तु			उप भार	कुल भार
1.	**अपठित गद्यांश व काव्यांश पर चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न।**				10
	(अ)	एक अपठित गद्यांश लगभग 250 शब्दों का (1×5=5) (विकल्प के बिना)		5	
	(ब)	एक अपठित काव्यांश लगभग 120 शब्दों का (1×5=5) विकल्प सहित		5	
2.	**व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर बहुविकल्पी प्रश्न। (1×16)** **(कुल 20 प्रश्न पूछे जाएँगे जिसमें से केवल 16 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।)**				16
	व्याकरण				
	1.	रचना के आधार पर वाक्य-भेद (4 अंक)	(5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
	2.	वाच्य (4 अंक)	(5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
	3.	पद-परिचय (4 अंक)	(5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
	4.	अलंकार : (शब्दालंकार : श्लेष) (अर्थालंकार : उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण) (4 अंक)	(5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
3.	**पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग-2**				
	(अ)	**गद्य खंड**		7	14
		1.	क्षितिज से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषय-वस्तु का ज्ञान-बोध, अभिव्यक्ति आदि पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1×5)	5	
		2.	क्षितिज से निर्धारित गद्य-पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन क्षमताओं एवं अभिव्यक्ति का आकलन करने हेतु एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1×2)	2	
	(ब)		**काव्य खंड**	7	
		1.	क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1×5)	5	
		2.	क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे (1×2)	2	

To know about more useful books *click here*

पाठ्यक्रम

			खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)		
			पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग-2 व पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-2		
1.	**(अ)**	**गद्य खंड**			
		क्षितिज से निर्धारित पाठों में से विषय-वस्तु का ज्ञान-बोध, अभिव्यक्ति आदि पर तीन प्रश्न पूछे जाएँगे। (विकल्प सहित 25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2×3)		6	
	(ब)	**काव्य खंड**			
		क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्य-बोध परखने हेतु तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। (विकल्प सहित 25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2×3)		6	**20**
	(स)	**पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-2**			
		कृतिका के निर्धारित पाठों पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएँगे। (विकल्प सहित 50-60 शब्द-सीमा वाले 3 में से 2 प्रश्न करने होंगे) (4×2)		8	
2.	**लेखन**				
	(अ)	विभिन्न विषयों और संदर्भों पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर 120 शब्दों में से अनुच्छेद लेखन।		6	**20**
	(ब)	अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में से पत्र।		5	
	(स)	उपलब्ध रिक्ति के लिए लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त लेखन अथवा विविध विषयों पर आधारित लगभग 80 शब्दों में औपचारिक ई-मेल लेखन		5	
	(द)	विषय से संबंधित लगभग 60 शब्दों के अंतर्गत विज्ञापन लेखन अथवा संदेश लेखन लगभग 60 शब्दों में (शुभकामना, पर्व-त्यौहारों एवं विशेष अवसरों पर दिए जाने वाले संदेश)		4	
			कुल		**80**
		आंतरिक मूल्यांकन		**अंक**	20
	(अ)	सामयिक आकलन		5	
	(ब)	बहुविध आकलन		5	
	(स)	पोर्टफोलियो		5	
	(द)	श्रवण एवं वाचन		5	
			कुल		**100**

To know about more useful books *click here*

पाठ्यक्रम

निर्धारित पुस्तकें :

1. **क्षितिज, भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण
2. **कृतिका, भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

नोट— निम्नलिखित पाठों से प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे –

क्षितिज, (भाग - 2)	काव्य खंड	● देव-सवैया, कवित्त (पूरा पाठ) ● गिरिजाकुमार माथुर - छाया मत छूना (पूरा पाठ) ● ऋतुराज - कन्यादान (पूरा पाठ)
	गद्य खंड	● महावीरप्रसाद द्विवेदी - स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन (पूरा पाठ) ● सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - मानवीय करुणा की दिव्य चमक (पूरा पाठ)
कृतिका, (भाग - 2)	● एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा! (पूरा पाठ) ● जार्ज पंचम की नाक (पूरा पाठ)	

कक्षा दसवीं हेतु प्रश्न-पत्र का विस्तृत प्रारूप जानने के लिए बोर्ड द्वारा जारी आदर्श प्रश्न-पत्र देखें।

❑❑

पठन कौशल

- सरसरी दृष्टि से पढ़कर पाठ का केंद्रीय विचार ग्रहण करना।
- एकाग्रचित हो एक अभीष्ट गति के साथ मौन पठन करना।
- पठित सामग्री पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करना।
- भाषा, विचार वएं शैली की सराहना करना।
- साहित्य के प्रति अभिरूचि का विकास करना।
- साहित्य की विभिन्न विधाओं की प्रकृति के अनुसार पठन कौशल का विकास।
- संदर्भ के अनुसार शब्दों के अर्थ-भेदों की पहचान करना।
- सक्रिय (व्यवहारोपयोगी) शब्द भंडार की वृद्धि करना।
- पठित सामग्री के विभिन्न अंशों का परस्पर संबंध समझना।
- पठित अनुच्छेदों के शीर्षक एवं उपशीर्षक देना।
- कविता के प्रमुख उपादान यथा - तुक, लय, यति, गति, बलाघात आदि से परिचित कराना।

लेखन कौशल

- लिपि के मान्य रूप का ही व्यवहार करना।
- विराम-चिह्नों का उपयुक्त प्रयोग करना।
- प्रभावपूर्ण भाषा तथा लेखन-शैली का स्वाभाविक रूप से प्रयोग करना।
- उपयुक्त अनुच्छेदों में बाँटकर लिखना।
- प्रार्थना पत्र, निमंत्रण पत्र, बधाई पत्र, संवेदना पत्र, ई-मेल, आदेश पत्र, एस.एम.एस. आदि लिखना और विविध प्रपत्रों को भरना।
- विविध स्रोतों से आवश्यक सामग्री एकत्र कर अभीष्ट विषय पर निबंध लिखना।
- देखी हुई घटनाओं का वर्णन करना और उन पर अपनी प्रतिक्रिया देना।
- हिन्दी की एक विधा से दूसरी विधा में रूपांतरण का कौशल।
- समारोह और गोष्ठियों की सूचना और प्रतिवेदन तैयार करना।
- सार, संक्षेपीकरण एवं भावार्थ लिखना।

To know about more useful books *click here*

पाठ्यक्रम

- गद्य एवं पद्य अवतरणों की व्याख्या लिखना।
- स्वानुभूत विचारों और भावनाओं को स्पष्ट सहज और प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त करना।
- क्रमबद्धता और प्रकरण की एकता बनाए रखना।
- लिखने में सृजनात्मकता लाना।
- अनावश्यक काट-छाँट से बचते हुए सुपाठ्य लेखन कार्य करना।
- दो भिन्न पाठों की पाठ्यवस्तु पर चिन्तन करके उनके मध्य की सम्बद्धता (अन्तर्संबन्धों) पर अपने विचार अभिव्यक्त करने में सक्षम होना।
- रटे-रटाए वाक्यों के स्थान पर अभिव्यक्तिपरक/स्थिति आधारित/उच्च चिन्तन क्षमता वाले प्रश्नों पर सहजता से अपने मौलिक विचार प्रकट करना।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

अनुच्छेद लेखन

- **पूर्णता** - संबंधित विषय के सभी पक्षों को अनुच्छेद के सीमित आकार में संयोजित करना।
- **क्रमबद्धता** - विचारों को क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत विधि से प्रकट करना।
- **विषय-केन्द्रित** - प्रारंभ से अंत तक अनुच्छेद का एक सूत्र में बंधा होना।
- **समासिकता** - अनावश्यक विस्तार न देकर सीमित शब्दों में यथासंभव पूरी बात कहने का प्रयास करें।

पत्र लेखन

- अनौपचारिक पत्र विचार-विमर्श का जरिया जिनमें मैत्रीपूर्ण भावना निहित, सरलता, संक्षिप्त और सादगी के साथ लेखन शैली।
- औपचारिक पत्रों द्वारा दैनंदिनी जीवन की विभिन्न स्थितियों में कार्य, व्यापार, संवाद, परामर्श, अनुरोध तथा सुझाव के लिए प्रभावी एवं स्पष्ट संप्रेषण क्षमता का विकास।
- सरल और बोलचाल की भाषाशैली, उपयुक्त, सटीक शब्दों के प्रयोग, सीधे-सादे ढंग से स्पष्ट और प्रत्यक्ष बात की प्रस्तुति।
- प्रारूप की आवश्यक औपचारिकताओं के साथ सुस्पष्ट, सुलझे और क्रमबद्ध विचार आवश्यक तथ्य, संक्षेप और सम्पूर्णता के साथ प्रभावी प्रस्तुति।

विज्ञापन लेखन

विज्ञापित वस्तु / विषय को केंद्र में रखते हुए

- विज्ञापित वस्तु के विशिष्ट गुणों का उल्लेख
- आकर्षक लेखन शैली
- प्रस्तुति में नयापन, वर्तमान से जुड़ाव तथा दूसरों से भिन्नता
- विज्ञापन में आवश्यकतानुसार नारे (स्लोगन) का उपयोग
- विज्ञापन लेखन में बॉक्स, चित्र अथवा रंग का उपयोग अनिवार्य नहीं किन्तु समय होने पर प्रस्तुति को प्रभावी बनाने के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है।

संवाद लेखन

(दी गई परिस्थितियों के आधार पर संवाद लेखन)

- सीमा के भीतर एक-दूसरे से जुड़े सार्थक और उद्देश्यपूर्ण संवाद
- पात्रों के अनुकूल भाषा शैली
- कोष्ठक में वक्ता के हाव-भाव का संकेत
- संवाद लेखन के अंत तक विषय/मुद्दे पर वार्ता पूरी

लघु-कथा लेखन

(दिए गए विषय/शीर्षक आदि के आधार पर रचनात्मक सोच के साथ लघुकथा लेखन)

- कथात्मता
- निरन्तरता, जिज्ञासा/रोचकता
- प्रभावी संवाद/पात्रानुकूल संवाद
- रचनात्मकता/कल्पनाशक्ति का उपयोग

To know about more useful books *click here*

पाठ्यक्रम

संदेश-लेखन

(शुभकामना, पर्व-त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर दिए जाने वाले संदेश)

- विषय से संबद्धता
- संक्षिप्त और सारगर्भित
- भाषाई दक्षता एवं प्रस्तुति
- रचनात्मता/सृजनात्मकता
- विषय के अनुकूल काव्य-पंक्तियों का आंशिक उपयोग, किन्तु इसकी अनिवार्यता नहीं

ई-मेल लेखन

(विविध विषयों पर आधारित औपचारिक ई-मेल लेखन)

- बोधगम्य भाषा
- विषय से संबद्धता
- संक्षिप्त, स्पष्ट व सारगर्भित
- शिष्टाचार व औपचारिकताओं का निर्वाह

स्ववृत लेखन

(उपलब्ध रिक्ति के लिए स्ववृत लेखन)

- स्पष्ट, सम्पूर्ण व व्यवस्थित
- नाम, जन्मतिथि, वर्तमान पता, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, अभिरुचियों, आत्मकथ्य, दूरभाष आदि का उल्लेख (परीक्षा में गोपनीयता का निर्वाह अपेखित)
- अन्य विशेष जानकारी/योग्यता आदि

सूचना लेखन

(औपचारिक शैली में व्यावहारिक जीवन से सम्बन्धित विषयों पर आधारित सूचना लेखन)

- सरल एवं बोधगम्य भाषा
- विषय की स्पष्टता
- विषय से जुड़ी सम्पूर्ण जानकारी
- औपचारिक शिष्टाचार का निर्वाह

❑❑

To know about more useful books *click here*